लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3716
11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

राजस्थान में ऊन क्षेत्र का विकास

3716. श्री राव राजेन्द्र सिंह:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ऊन क्षेत्र में, विशेष रूप से राजस्थान में, ऊन के पूर्व-प्रसंस्करण, अनुसंधान और विकास, स्थिरता और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने राजस्थान और अन्य ऊन उत्पादक क्षेत्रों में ऊन मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने के लिए सामान्य सुविधा केंद्रों (सीएफसी) और अन्य अवसंरचना की स्थापना की है या उन्हें सहायता प्रदान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने ऊन और ऊन आधारित उत्पादों के विपणन, ब्रांडिंग और घरेलू तथा निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वस्त्र मंत्रालय, केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड (CWDB) के माध्यम से, 15वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान राजस्थान सहित पूरे भारत में ऊन की प्री-प्रोसेसिंग, अनुसंधान और विकास, सस्टेनेबलिटी और मूल्य संवर्धन सहित ऊन क्षेत्र के विकास के लिए **125.99 करोड़ रुपये** के कुल आवंटन के साथ **एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (IWDP)** का कार्यान्वयन कर रहा है।

(ख): राजस्थान राज्य और अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, श्रीनगर और कोलकाता सहित अन्य ऊन उत्पादन क्षेत्रों में ऊन मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए IWDP के तहत CFC परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है। स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-क** में दिया गया है।

(ग): CWDB ने भारतीय वूल मार्क, भारतीय कालीन मार्क और भारतीय पश्मीना मार्क विकसित करने के लिए IWDP के तहत परियोजना को मंजूरी दी है, ताकि ऊन और ऊन आधारित उत्पाद के विपणन, ब्रांडिंग और घरेलू तथा निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया जा सके।

अनुबंध-क

CFC - राजस्थान राज्य और अन्य क्षेत्रों के लिए स्वीकृत परियोजनाएं/कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यान्वयन एजेंसी का नाम	घटक	कुल स्वीकृत अनुदान	स्वीकृत करने का वर्ष
1	निदेशक, ICAR- राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र, जोरबीर, बीकानेर (राज.)	WPS-To ICAR-NRCC, जोरबीर, बीकानेर (राज.) में जूट – केमल हेयर ब्लेंडिंग फाइबर से फैब्रिक के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना	2,31,00,000/-	2024-25
2	ICAR- केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, जिला- टोंक (राजस्थान)	CSWRI, अविकानगर में ऊन और विशेष एनिमल हेयर (पश्मीना बकरी, अंगोरा खरगोश, ऊंट और याक) नॉन-वुवन और फेल्ट प्रसंस्करण के लिए सीएफसी की स्थापना	5,00,00,000/-	2024-25
3	ICAR-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र, डेरिंग वेस्ट कामेंग, (अरुणाचल प्रदेश)	IWDP के तहत ऊन प्रसंस्करण मशीनों के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) की स्थापना	4,58,07,000/-	2024-25
4	पुण्यश्लोक, अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंधीवा विकास महामंडल लिमिटेड, पुणे (महाराष्ट्र)	अहमदनगर में ऊन नॉन-वुवन प्रसंस्करण केंद्र के लिए सीएफसी की स्थापना	5,00,00,000/-	2025-26
5	हस्तशिल्प और हथकरघा निदेशालय, प्रदर्शनी मैदान (कश्मीर हाट), श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश)	नौशेरा, श्रीनगर में उच्च क्षमता वाली मशीनों की स्थापना करके ऊन प्रसंस्करण (ऊन स्कॉउरिंग, डाईंग और फिनिशिंग सुविधाएं) के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) की स्थापना	5,00,00,000/-	2024-25
6	भारतीय जूट उद्योग अनुसंधान संघ (IJIRA), कोलकाता, (पश्चिम बंगाल)	कोलकाता में IJIRA के परिसर में लागत प्रभावी एग्रो-मल्च के निर्माण के लिए दक्कनी ऊन और निम्न श्रेणी के जूट के उपयोग हेतु CFC की स्थापना	5,00,00,000/-	2025-26

***